Hindi Murli Quiz 26-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **बाबा बोले बच्चे जगत-अम्बा को सरस्वती भी कहते हैं। तुम भी जगत-अम्बा हो ना । इस सन्दर्भ में लक्ष्मी बड़ी या जगत अम्बा बड़ी ? आज की मुरली में इस विषय पर हुई चर्चा को ध्यान में रख सभी सही पॉइंट्स का बहुत ध्यान से चयन करें –**

A. ☑ जगत अम्बा (ब्रह्मण) का पद ऊंच अभी है, जबकि बाप के आकर बच्चे बनते हैं।
B. ☑ जगत अम्बा अर्थात सरस्वती से स्रष्टि की बादशाही मिलती है।
C. ☑ लक्ष्मी तो स्वर्ग की मालिक बनती है।
D. ☑ जगत अम्बा अर्थात सरस्वती ही फिर लक्ष्मी बनती है।
E. ☑ लक्ष्मी को वर्ष-वर्ष बुलाते हैं, जगत अम्बा की तो सदैव पूजा होती है।
F. ☑ अम्बा के मंदिर भी बहुत हैं।
G. ☑ लक्ष्मी से सिर्फ धन मांगते हैं, जगतअम्बा से सब कुछ मांगते हैं।

Q.2) **आज के वरदान एवं स्लोगन के आधार पर सभी सही वाक्यों का चयन करें –**

A. ☑ ऐसे ऊंची स्टेज वाले बच्चे सदा निर्भय वा मायाजीत बन जाते हैं।
B. ☑ स्नेह का सागर बनोगे तो क्रोध मुक्त बन सकते हो।
C. ☑ यदि माया आ भी जाये तो ऐसा अनुभव होगा जैसे साक्षी होकर हद का ड्रामा देखते हैं।
D. ☑ जैसे-जैसे बच्चों की स्टेज बढ़ती जायेगी, माया नमस्कार करेगी वार नहीं।
E. ☑ माया के विकराल रूप को भी खेल समझकर देखेंगे, उससे घबराएंगे नहीं।

Q.3) **वाक्यों के अर्थ अनुसार ही उनको मिलाएं -----.**

	Choice	Match
A	चन्द्रमा को जब ग्रहण लगता है तो कहते 'दे दान तो छूटे ग्रहण',	अब बाप भी कहते कि 5 विकारों का दान देदो तो छूटे ग्रहण।
B	अभी सारी स्रष्टी पर ग्रहण लगा हुआ है,	5 तत्वों पर भी ग्रहण लगा हुआ है क्योंकि तमोप्रधान हैं।
C	असुरों और देवताओं की युद्ध दिखाई है,	परन्तु देवतायें तो होते ही हैं सतयुग में जहाँ लड़ाई नहीं होती।
D	भगवानुवाच कृष्ण के लिए नहीं कह सकते,	वह तो है दैवी गुणों वाला मनुष्य।
E	तुम यह नहीं कह सकते कि हम अभी देवी-देवता धर्म के हैं,	क्योंकि तुम ब्रह्मण धर्म के हो, देवी-देवता धर्म के बन रहे हो।

Q.4) **"भारत पहले सबसे पवित्र था फिर जब देवतायें वाम मार्ग में जाते हैं तो फिर अर्थक्वेक आदि में सब स्वर्ग की सामग्री, सोने के महल आदि खलास हो जाते हैं और फिर नये सिरे से बनने शुरू होते हैं। डिस्ट्रक्शन जरूर होता है। उपद्रव होते हैं जब रावणराज्य शुरू होता है। "**

A. ○ False
B. ◉ True

Q.5) **"मीठे बच्चे अब ----------का दान दो तो ग्रहण उतर जाये और यह तमोप्रधान दुनिया सतोप्रधान बने" [निम्नलिखित शब्दों में सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]**

A. ○ ज्ञान रत्नों
B. ○ स्थूल धन
C. ○ गुणों
D. ◉ विकारों

Q.6) **बाप कहते कि तुम्हें अपनी इस लाइफ [जीवन] से कभी भी तंग नहीं होना चाहिए क्योंकि ---------**
[निम्नलिखित विकल्पों में से सभी सही कारणों का चयन करें]

A. ☑ हिसाब-किताब चुक्तू होता रहेगा।
B. ☑ तन्दुरुस्त हो अथवा बीमार हो, नॉलेज तो सुन सकते हो।
C. ☑ यहाँ जितना दिन जियेंगे, कमाई होती रहेगी।
D. ☑ बाप को याद कर सकते हो।
E. ☑ यह हीरे जैसा जन्म गाया हुआ है।

Explanation: स्पष्टीकरण --इसलिए तंग होने के वजाए इसकी सम्हाल करनी है।

Q.7) **बाप की याद में तुम देहली तक पैदल जाओ तो भी ----------नहीं होगी। सच्ची याद होगी तो देह का भान टूट जाएगा , फिर ----------हो नहीं सकती।**
[निम्नलिखित शब्दों में से मुरली अनुसार एक सबसे सटीक उत्तर चयन करें]

A. ◉ थकावट
B. ○ सुस्ती
C. ○ कमजोरी
D. ○ उदासी

Q.8) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice	Match
A	अभी तुम हो ईश्वरीय सम्प्रदाय,	फिर होंगे दैवी सम्प्रदाय।
B	बाप कहते कि सुखधाम में तुमको साथ नहीं देता हूँ,	साथ अभी ही देता हूँ –पढ़ाने एवं घर ले जाने का साथ।
C	तुम ज्ञान स्टार्स हो,	सूर्य, चाँद, सितारे तो मांडवे को रौशनी देने वाले हैं, वह कोई देवतायें नहीं हैं।
D	ब्रह्मा बाबा ने तो बहुत भक्ति की हुई है,	नंबरवन पूज्य तो फिर नंबरवन पुजारी बनते हैं।
E	सतयुग में तो गर्भ-महल है जहाँ बच्चे बहुत सुख में रहते हैं,	यहाँ गर्भ-जेल कहा जाता है,पापों की भोगना गर्भ में मिलती है।

Q.9) **"बच्चों को सिखलाना चाहिए कि एक शिवबाबा को याद करो, यह है अव्यभिचारी याद। एक शिव की भक्ति करना, वह है अव्यभिचारी भक्ति अर्थात सतोप्रधान भक्ति। फिर देवी-देवताओं को याद करना, वह है सतो भक्ति।"**

A. ◉ True
B. ○ False

Q.10) **आज की धारणा के अनुसार सभी पॉइंट्स चयन करें –**

A. ☑ एक बाप की अव्यभिचारी याद में रह देह-भान को खत्म करना है।
B. ☑ 5 विकारों का दान दे राहू के ग्रहण से मुक्त होना है।
C. ☑ बाप से जो सुना है उसे धारण कर दूसरों को सुनाना है।
D. ☑ इस शरीर में रहते अविनाशी कमाई जमा करनी है।
E. ☑ अपनी कर्मातीत अवस्था बनाने का पुरुषार्थ करना है।